INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 8 (3rd Lang)	Department: Hindi	Date: ------/08/24
Worksheet No:3	Topic: अर्थग्रहण	Note: File it in your portfolio

निर्देश- अनुच्छेद के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर निशान लगाइए |

किसी गाँव के मंदिर में देव शर्मा नाम के एक प्रसिद्ध साधू रहते थे| गाँव में सभी लोग उनका आदर-सम्मान करते थे| उन्हें अपने भक्तों से दान के रूप में अनेक उपहार के साथ-साथ पैसे भी मिलते थे| वह साधू कभी किसी पर विश्वास नहीं करते थे इसलिए अपने धन की सुरक्षा के लिए वह हमेशा चिंतित रहते थे| वह अपने धन को एक पोटली में बाँधकर अपने पास ही रखते थे| उसी गाँव में एक ठग रहता था| बहुत दिनों से उसकी नज़र साधू के धन पर थी| वह हमेशा साधू का पीछा किया करता था लेकिन साधू की पोटली को चुराने में असफल रहा| आख़िरकार उसने एक छात्र का वेश धारण किया और साधू के पास गया| उसने साधू से विनती की कि वह उसे अपना शिष्य बना लें क्योंकि वह ज्ञान प्राप्त करना चाहता था| साधू बाबा किसी तरह तैयार हो गए|

ठग मंदिर की सफाई से लेकर अन्य सभी कार्य करता था| उसने साधू की खूब सेवा की और जल्दी ही उनका सबसे विश्वास-पत्र शिष्य बन गया|

एक दिन साधू को गाँव में एक अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया| साधू अपने शिष्य के साथ अनुष्ठान में भाग लेने के लिए निकल पड़े| रास्ते में एक नदी पड़ी| साधू ने स्नान करने की इच्छा व्यक्त की| उन्होंने पैसों की उस पोटली को एक कंबल में छुपाकर नदी के किनारे रख दिया| उन्होंने शिष्य बने ठग से ही रखवाली करने को कहा और नदी में नहाने चले गए| ठग तो इसी इंतजार में था| जैसे ही साधू बाबा डुबकी लगाने लगे कि वह पोटली लेकर चंपत हो गया|

इसीलिए कहते हैं कि अजनबी की चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर जल्दी विश्वास नहीं करना चाहिए|

क- साधू का सबसे विश्वास-पात्र शिष्य कौन बन गया?

एक ठग　　एक भक्त　　एक लड़का　　एक आदमी

ख- साधू बाबा का क्या नाम था?

देव दत्त　　देव शर्मा　　देव व्रत　　देव दूत

ग- साधू अपने धन को किसमें बाँधकर रखते थे?

एक कंबल में　　एक कुरते में　　एक पोटली में　　एक रजाई में

घ- साधू बाबा किस बात के लिए हमेशा चिंतित रहते थे?

शिष्यों के लिए　　भक्तों के लिए　　दान के लिए　　धन रक्षा के लिए

ङ- किस पर जल्दी विश्वास नहीं करना चाहिए?

अजनबी पर　　शिष्य पर　　भक्त पर　　बाबा पर

----------000----------